सेवापुरी विकास अभियान

शिक्षा क्षेत्र

एसबीसीसी सामग्री

सत्यमेव जयते

NITI Aayog

शिक्षा क्षेत्र

इस क्षेत्र में शामिल किए जाने वाले **प्राथमिक विषय** हैं-

- स्कूलों में नामांकन (प्राथमिक विद्यालय से शुरू करते हुए)
- लड़कियों की उच्च माध्यमिक स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए परामर्श

यह एसबीसीसी टूलकिट लाभार्थियों को **संदेश और सरल कार्यक्रम / हस्तक्षेप** प्रदान करता है, ताकि उन्हें इसमें शामिल किया जा सके तथा शिक्षा सेवाओं का अनुपालन करने के लिए प्रेरित किया जा सके। इन प्रोटोकॉल और संदेशों को **व्यवहार परिवर्तन में विशेषज्ञता** के साथ बनाया गया है और प्रभावी सामुदायिक परिवर्तन के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र में इसका पालन किया जाना चाहिए।

जब आप क्षेत्र में लाभार्थियों के साथ बातचीत कर रहे हों, तो **टूलकिट को अपने साथ ले जाएं**, ताकि आप उन्हें परिचालन योजना में सूचित किया गया संदेश (पोस्टर) दिखा सकें।

इस दस्तावेज़ में, **एफएलडब्ल्यू शब्द** का उपयोग तीन प्रकार के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं यानी आशा, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को दर्शाता है।

जीवन की बने ठोस बुनियाद
शिक्षा के साथ होगी सही शुरुवात

एक सुनहरे भविष्य के लिए ज़रूरी है अच्छी शिक्षा,
जिसके लिए ज़रूरी है एक मज़बूत बुनियाद।

अपने बच्चे को नियमित रूप से स्कूल भेजें। उसकी बुनियादी शिक्षा, यानी पढ़ने लिखने में सक्षम बनाने में टीचर को अपना सहयोग दें ताकि वह बड़े हो कर अच्छे से पढ़ पाए।

मैसेजिंग हस्तक्षेप – 1

संदेश का वितरण -

एफएलडब्ल्यू **आंगनवाड़ी केंद्र और शिशु-गृह में पोस्टर** को प्रदर्शित करेंगी और पोस्टर द्वारा दिए गए संदेश को समझाएंगी।

परिचालन योजना -

1. एफएलडब्ल्यू आंगनवाड़ी केंद्र और शिशु-गृह में **पोस्टर को प्रदर्शित** करेंगी और पोस्टर द्वारा दिए गए **संदेश को समझाएंगी।**
2. जब **माता-पिता / समुदाय के सदस्य** मौजूद हों तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इन ही पोस्टर के माध्यम से बात करेंगी।

NITI Aayog

अपने बच्चे के भविष्य के लिए आप क्या सपने देखती हैं? आप के हिसाब से, बच्चों को किस से प्रेरणा लेनी चाहिए? किस के जैसा बनना चाहिए?

अच्छा। __________ के जैसा बनने के लिए और वैसी सफलता पाने के लिए, पढाई भी तो वैसी ही करनी पड़ेगी ना?

आप तो जानती ही हैं की आज के ज़माने में बच्चों को पढ़ना लिखना आना कितना ज़रूरी है।जीवन में आगे बढ़ने के लिए, बुनियाद का मज़बूत होना ज़रूरी है। बुनियादी शिक्षा मज़बूत हो, इसलिए शुरुवात सही उम्र में हो जानी चाहिए।

अपने बच्चे को नियमित रूप से स्कूल भेजें। उसकी बुनियादी शिक्षा, यानी पढ़ने लिखने में सक्षम बनाने में टीचर को अपना पूरा सहयोग दें।

मैसेजिंग हस्तक्षेप – 2

NITI Aayog

अपने बच्चे के भविष्य के लिए आप क्या सपने देखती हैं? आप के हिसाब से, बच्चों को किस से प्रेरणा लेनी चाहिए? किस के जैसा बनना चाहिए?

अच्छा। __________ के जैसा बनने के लिए और वैसी सफलता पाने के लिए, पढाई भी तो वैसी ही करनी पड़ेगी ना?

आप तो जानती ही हैं की आज के ज़माने में बच्चों को पढ़ना लिखना आना कितना ज़रूरी है।जीवन में आगे बढ़ने के लिए, बुनियाद का मज़बूत होना ज़रूरी है। बुनियादी शिक्षा मज़बूत हो, इसलिए शुरुवात सही उम्र में हो जानी चाहिए।

अपने बच्चे को नियमित रूप से स्कूल भेजें। उसकी बुनियादी शिक्षा, यानी पढ़ने लिखने में सक्षम बनाने में टीचर को अपना पूरा सहयोग दें।

संदेश का वितरण -

मैसेज को स्वयंसेवकों द्वारा **गृह भ्रमण के दौरान** माता-पिता को संचारित किया जाएगा (बताया जाएगा)।

परिचालन योजना -

1. स्वयंसेवकों को इसके उपयोग पर **स्क्रिप्ट और ट्रेनिंग** दी जाएगी।
2. बच्चों की **शिक्षा के महत्व पर बड़ी चर्चा** के हिस्से के रूप में स्क्रिप्ट को सभी गृह भ्रमण के दौरान इस्तेमाल करें।

NITI Aayog

बनारस की बेटियां नहीं किसी से कम

आसमान को छू लेंगी जो इरादों में हो दम।

बेटियां बदल सकती हैं बनारस का भविष्य।
अगर आप देंगे उनका साथ।

बेटियों की स्कूली शिक्षा पूरी करवाना है आपका फ़र्ज़।

मैसेजिंग हस्तक्षेप – 3

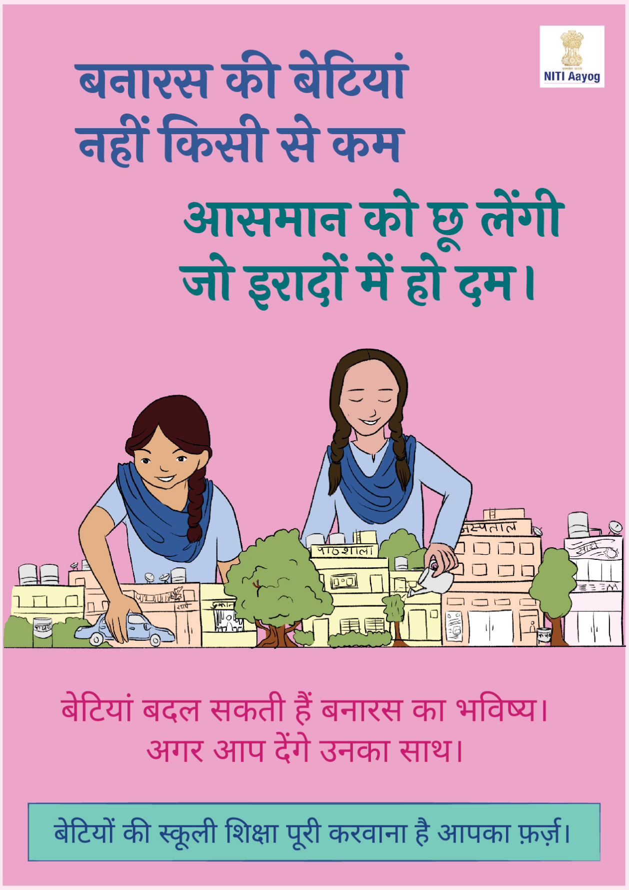

संदेश का वितरण -

मैसेज को **'विद्यादान उत्सव'** के दौरान संचारित किया जाएगा, जहाँ प्रसिद्ध व्यक्ति समुदाय को प्रेरित और उत्साहित करने के लिए भाषण देंगे।

परिचालन योजना -

1. स्वयंसेवकों को **2 फ़्लाइअर्ज़ / विज्ञापन** दिए जाएँगे जिन्हे वे 'विद्यादान उत्सव' के दौरान आसानी / स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली जगहों पर लगा सके।
2. जब माता-पिता / समुदाय के सदस्य मौजूद हों तो स्वयंसेवक इन ही **पोस्टर के माध्यम से बात** करेंगे।

इस गाँव के अधिकांश बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाते हैं और नए कौशल सीखते हैं जो भविष्य में उनकी मदद करेंगे। अपने बच्चे को पीछे ना रहने दें!

रुपेश स्कूल में सीख रहा है जोड़ भाग करना। वह जब भी बाबा के साथ सब्ज़ी लेने जाता है, कहता है मै ही करूँगा दुकानदार से पैसे का हिसाब।

फ़ातिमा सीख रही है शरीर के हर एक अंग के नाम। वह जानती है की हमारे शरीर में कितनी हड्डियाँ होती है। वह बड़ी हो कर डॉक्टर बनना चाहती है।

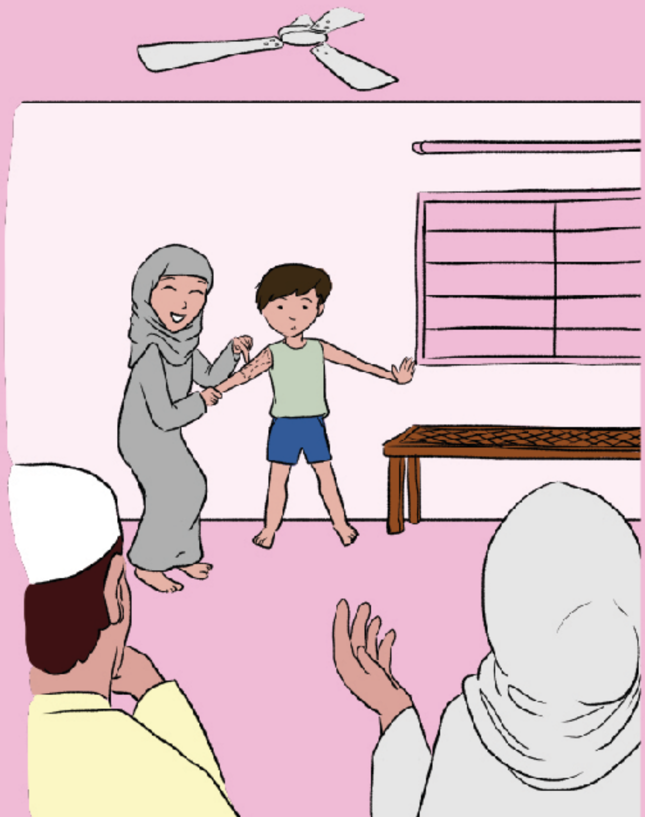

NITI Aayog

मैसेजिंग हस्तक्षेप – 4

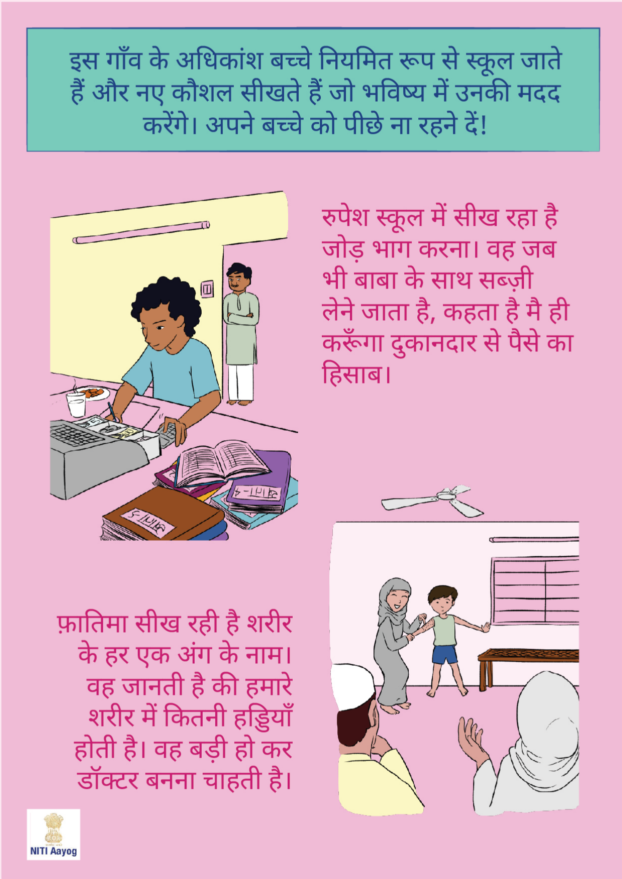

संदेश का वितरण -

मैसेज को **"मेरा घर मेरा विद्यालय" अभियान** के तहत बाल पथिकों और युवा पथिकों के माध्यम से संचारित किया जाएगा।

परिचालन योजना -

1. स्वयंसेवकों को **फ़्लाइअर्ज़ / विज्ञापन** दिए जाएँगे और गृह भ्रमण के दौरान उन्हें इसे अपने साथ रखना है। इसके साथ साथ उन्हें देखभालकर्ताओं को इन्हें **बाटनें का प्रशिक्षण** भी दिया जाएगा।

2. स्वयंसेवक हर गृह भ्रमण के दौरान **विज्ञापन पर चर्चा** करेंगे और संदेश को माता-पिता के साथ दोहराएंगे।

कार्य उन्मुख हस्तक्षेप – 1

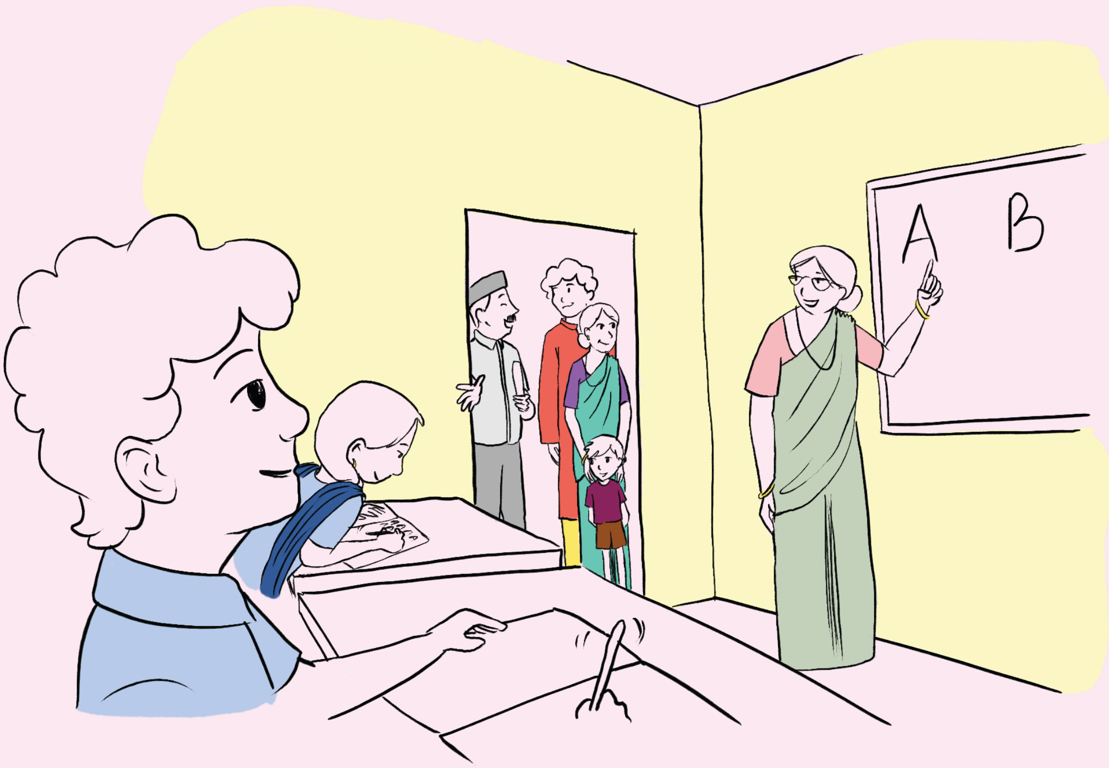

विवरण -

बाल पथिक और युवा पथिक बच्चों और माता-पिताओं के लिए **'स्कूल का दौरा'** आयोजित करेंगे, ताकि उन्हें यह दिखाया जा सके की सभी छात्र एक दिन में क्या क्या सीखते हैं और विद्यालय के अनुभवों को परिवार के लिए पूर्ण करने योग्य आकांक्षाएँ बनाया जा सके।

परिचालन योजना -

1. बाल और युवा पथिकों को माता-पिता के उन्मुखीकरण के समय क्या क्या करना चाहिए, उस पर **प्रशिक्षण** दिया जाएगा।

2. प्रशिक्षण के बाद, पथिक स्कूल के शिक्षकों के समर्थन के साथ, **हर तिमाही पर** 3-4 साल के उम्र के छोटे बच्चों के माता-पिता के लिए स्कूल के दौरे आयोजित करेंगे।

कार्य उन्मुख हस्तक्षेप - 2

विवरण -

स्कूल के शिक्षक और स्वयंसेवक वार्षिक दिवस समारोह की तर्ज पर एक **त्रैमासिक कार्यक्रम का आयोजन** करेंगे जिसमें माता-पिता अपने बच्चों को विभिन्न **शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक** कौशल में मान्यता प्राप्त करते हुए देख सकेंगे।

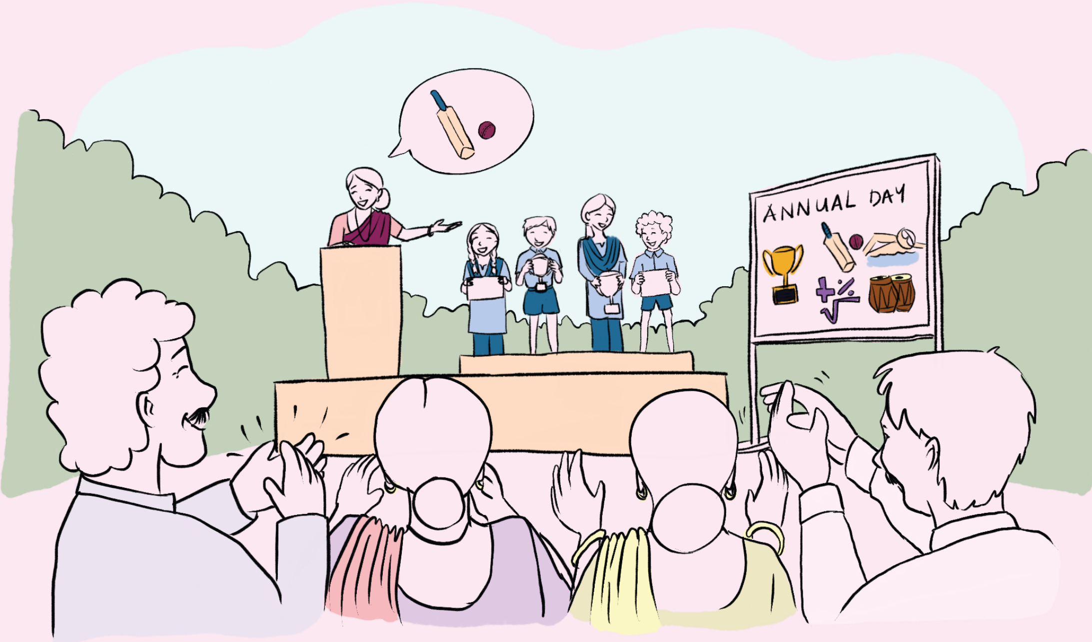

परिचालन योजना -

1 विद्यालय के शिक्षकों को इन वार्षिक कार्यक्रमों की **योजना और संचालन** करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

2 प्रशिक्षण के बाद स्कूल के शिक्षक एक वार्षिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ काम करेंगे, ताकि वे छात्रों की **विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन** कर सके और शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कौशल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को **मान्यता** दिलवा सके।

3 विद्यालय के शिक्षकों और स्वयंसेवकों द्वारा सभी **बच्चों के माता-पिता** को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

कार्य उन्मुख हस्तक्षेप – 3

विवरण -

माता-पिता और शिक्षकों के बीच संचार को प्रोत्साहित करने के लिए एक **अभिभावक समूह** बनाया जाएगा। यह विद्यालय में सीखी गई शिक्षा को साझा करने में मदद करने के और साथ-साथ घर पर होने वाली सीख में सुधार लाएगा। माता-पिता और शिक्षकों के बीच नियमित रूप से **व्यक्तिगत बैठकें** आयोजित की जाएगी और **एसएमएस / व्हाट्सएप समूहों** द्वारा अपडेट्स / अद्यतन साझा की जाएगी।

परिचालन योजना -

1. स्कूल के शिक्षकों और स्वयंसेवकों को माता पिताओं के समूह बनाने और प्रासंगिक अपडेट्स / अद्यतन साझा करने के लिए **प्रशिक्षित** किया जाएगा।

2. हर तिमाही, शिक्षक छात्रों की प्रगति और अन्य पहलों पर चर्चा करने के लिए **अभिभावक-शिक्षक बैठक** आयोजित करेंगे। 'मिशन प्रेरणा' जैसी विषयों पर बेहतर चर्चा के लिए ‘आज कोई बैग नहीं दिवस’ जैसे कार्यक्रमों का लाभ उठाया जा सकता है।

3. इन बैठकों के बीच, कक्षा के शिक्षक सभी माता-पिता की फोन जानकारी इकट्ठा करेंगे और **व्हाट्सएप समूहों** पर या एसएमएस के माध्यम से मासिक अपडेट साझा करेंगे -

> महीने में पूरे किए जा रहे सत्र
> घर पर छात्रों को संलग्न करने की युक्तियाँ

सत्यमेव जयते

NITI Aayog

सेवापुरी विकास अभियान

एसबीसीसी सामग्री